Dainik Bhaskar (Indore), 22nd April 2021, Page-5

**विशेष** | IITI के बृजेश द्विवेदी ने UAE में पहली दिव्यांग प्रीमियर लीग में मुंबई आइडल्स की कप्तान की, मैन ऑफ द मैच रहे

# मैंने हमेशा चुनौतियों का साहस के साथ सामना किया लेकिन दिव्यांग होने के नाते खुद को कभी कम नहीं आंका है

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

यदि हौसला हो, जज्बा हो और कुछ करने दिखाने की ख्वाहिश हो तो किसी भी तरह की शारिरिक कमजोरी आड़े नहीं आ सकती। इसे साबित किया है इंदौर आईआईटी के ब्रजेश द्विवेदी ने। उन्होंने यूएई में की गई पहली दिव्यांग प्रीमियर लीग में मुंबई आइडल्स टीम की कप्तानी करके संस्थान का नाम रौशन किया है। वे कहते हैं मैंने हमेशा चुनौतियों का सामना किया और कभी भी दिव्यांग होने के कारण खुद को कम नहीं आंका।

इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमों ने भाग लिया जिसमें मुंबई आइडल्स, दिल्ली चैलेंजर्स, नाइट फाइटर्स, चेन्नई सुपरस्टार्स, राजस्थान रजवाड़े और गुजरात हिटर शामिल थे। आईआईटी में उपप्रबंधक बृजेश ने असीम क्षमताएं दिखाते हुए राजस्थान रजवाड़े के खिलाफ 4 विकेट लेकर और 11 रन बना कर मैन ऑफ द मैच रहे। चेन्नई सुपरस्टार के खिलाफ दूसरे मैच में उन्होंने 1 विकेट लिया और 25 रन बनाए।

अपनी इस कामयाबी पर वे कहते हैं कि 'मैंने हमेशा चुनौतियों का साहस से मुकाबल किया। कभी भी दिव्यांग होने के कारण कभी खुद को कम नहीं आंका। मैं IIT इंदौर का आभारी हूं जिसने मुझे सारी सुविधाएं उपलब्ध कराईं। इसके बिना मै इस तरह का प्रदर्शन नहीं कर सकता था और यह कामयाबी हासिल करना भी मेरे लिए संभव नहीं हो पाता। मैं अपने परिवार, दोस्तों, इंदौर और सतना के लोगों का भी आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा हौसला बढ़ाया, समर्थन और मार्गदर्शन किया है।" ब्रजेश पिछले 4 सालों से भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के सदस्य हैं और अपनी तमाम क्षमताओं का विकास करते हुए निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

## जोश हो सपने सच होते हैं

संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने बृजेश को बधाई दी और कहा "बृजेश ने न केवल संस्थान को गौरवान्वित किया है बल्कि यह भी दिखाया है कि जब आपमें जोश हो तो अपने सपने सच कर दिखा सकते हैं। ब्रजेश ने आधिकारिक प्रतिबद्धताओं और खेल गतिविधियों के बीच बहुत अच्छा संतुलन बनाए रखा है। यह उनके समर्पण और अथक परिश्रम के कारण संभव हो पाया है। संस्थान ऐसी प्रतिभाओं को बढ़ावा देता है और उनका समर्थन करता है।"